निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए पथभ्रमित न हो मीडिया – नायक

आबू रोड, 20 सित बर। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्रीपद नायक ने मीडिया को आध्यात्मिकता के परिवेश से जुड़ने का आह्वान करते हुए सलाह दी कि मीडियाकर्मी व्यक्तिगत स्वार्थों के कारण पथभ्रमित न हों।

उन्होंने शांतिवन में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित मीडिया महास मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता सकारात्मक चिंतन का सशक्त स्रोत है। ये हमें शांति, सद्भाव व स्नेह के लिए प्रेरित करती है। आध्यात्मिकता, ज्ञान व चिंतन भारत की समूची संस्कृति की पहचान बने हुए हैं। इसका प्रवाह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के परिसर से पूरे विश्व में हो रहा है। इसे देखते हुए यह विश्वास बंधता है कि मीडिया महास मेलन सकारात्मक बदलाव का मजबूत आधार बनेगा। जिन परिस्थितियों से पूरा देश गुजर रहा है, उनमें परिवर्तन लाने के लिए जन संचार माध्यमों में सकारात्मकता को प्रोत्साहित किया जाना अतिआवश्यक है।

भारत व नेपाल के दो हजार मीडियाकर्मियों की उपस्थिति वाले महास मेलन का उद्घाटन श्री नायक के साथ संस्था की संयुक्त मु य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी व अन्य गणमान्य अतिथियों ने – विश्व शांति की ज्योति जलाओ – के मधुर गान के बीच दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री महोदय संस्था की पूर्व मु य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि के समाधि स्थल, प्रकाश स्तंभ पर गए और विनम्रता पूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दादी प्रकाशमणि ने इस संस्था का पूरे विश्व में प्रसार किया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

कटक से आए युवाओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य के बाद मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके करूणा ने कहा कि अच्छे दिन लाने के संकल्प में जनता के साथ मीडिया को भी अपनी सहभागिता दर्ज करनी चाहिए। क्योंकि सत्ता की शक्ति आध्यात्मिक सत्ता है इसलिए आध्यात्मिकता का जितना अधिक प्रसार किया जाएगा, उतनी ही सत्ता को सही दिशा मिलेगी।

महास मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके ओमप्रकाश ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि दूरसंचार माध्यमों द्वारा अश्लीलता व नकारात्मकता परोसने से लोगों की जीवनशैली प्रदूषित हो रही है। प्रत्येक कार्यक्षेत्र में चरित्र का पतन हो रहा है। मीडिया को समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए। मु य वक्तव्य में सोसायटी ऑफ मीडिया इनिशियेटिव फॉर वैल्यूज के संयोजक प्रो.कमल दीक्षित ने कहा कि बाजारवादी, उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रसार की होड़ में मूल्य अपना अस्तित्व खो रहे हैं। भले ही कोई भी व्यक्ति हिंसा

युक्त समाज नहीं चाहता लेकिन फिर भी मीडिया के वर्तमान रूख में हिंसा का प्रसार हावी होता जा रहा है।

दैनिक संवाद, भुवनेश्वर के संपादक सौ य रंजन पटनायक ने कलम के धनी मीडियाकर्मियों को धनवानों से अपनी तुलना न करने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें पाठक और परमात्मा के प्रति अपना दायित्व नेकनीयति से निभाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया की चर्चा करते हुए कि इंटरनेट हमारी राष्ट्रभाषा का दमन कर रहा है और सोशल मीडिया कुल मिलाकर बुराईयों को बढ़ावा दे रहा है।

संस्था की संयुक्त मु य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी कहा कि आध्यात्मिक भूमि कहे जाने वाले भारत में स्वर्ग का स्वरूप तेजी से बिगड़ रहा है। नर्क को स्वर्ग बनाने की चुनौति का सामना करने में मीडिया को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

प्रेस परिषद के सदस्य राजीव रंजन नाग, बंगलोर से आयी प्रो.माया चक्रवर्ती, गोवा के पत्रकार सागर जावेडकर, देवी आहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के विभागाध्यक्ष डॉ.मानसिंह परमार ने मीडियाकर्मियों से कहा कि वे समाज और देश के हित को सर्वोपरि मानते हुए अपने चिंतन व लेखन में सकारात्मकता लाएं। अतिथियों के प्रति आभार प्रगट करते हुए मीडिया प्र ाग के मु यालय संयोजक बीके शांतनु ने कहा कि मीडिया स्वपरिवर्तन से विश्व परिवर्तन के अभियान को आगे बढ़ाने में सहयोगी बनेगा।

चित्र परिचय :

1. ज्योति प्रज्ज्वलित करके मीडिया महास मेलन का उद्घाटन करते केंद्रीय मंत्री श्रीपद नायक, दादी रतनमोहिनी व अन्य।
2. उद्घाटन सत्र को स बोधित करते केंद्रीय मंत्री श्रीपद नायक
3. उपस्थित जनसमूह का एक भाग।